

Title: Regarding a steep fall in the price of onions and lifting the ban on exports.

SHRI A.C. JOS (TRICHUR): Sir, we want to raise an important matter....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Have you given notice?

...(*Interruptions*)

SHRI A.C. JOS : We could not give notice....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Hon. Members, please understand.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I am on my legs. Hon. Members, please take your seat. Sixty-four hon. Members have given notice to speak. So, they would be called first. It is not proper to raise a matter without giving notice. It is not proper to obstruct the House. I will give you a chance later. Please sit down.

...(*Interruptions*)

श्री उत्तमराव ढिकले (नासिक) : अध्यक्ष महोदय, इस साल हमारे देश में प्याज की फसल बहुत अच्छी हुई है। इस साल कुल मिलाकर लगभग 55 लाख मीट्रिक टन से अधिक प्याज का उत्पादन देश में हुआ है। प्याज की ज्यादा फसल होने के कारण हमारे देश में प्याज के लिए ग्राहक भी नहीं मिल रहे हैं और प्याज के दामों में काफी गिरावट आ रही है। प्याज का दाम प्रति क्विंटल सौ रुपये से दो सौ रुपये किसानों को मिल रहा है, जो उचित दाम नहीं है। हमारे देश के लिए सिर्फ 45 लाख मीट्रिक टन प्याज की आवश्यकता है। इसलिए 45 लाख मीट्रिक टन से दस मीट्रिक टन ज्यादा प्याज के निर्यात की अनुमति दी जाए। लेकिन सरकार ने प्याज के निर्यात पर पाबन्दी लगाई हुई है, जिसे तुरंत हटया जाना चाहिए। चूंकि प्याज पैरिशेबल वैजिटेबल है, इसे अधिक समय तक रखा नहीं जा सकता है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूँ कि देश का और किसानों का बहुत नुकसान हो रहा है। इस नुकसान को रोकने के लिए मैं सरकार से फिर से प्रार्थना करूंगा कि प्याज के ऊपर लगाई गई पाबन्दी को तुरंत हटया जाए। धन्यवाद।